मोहयाल मित्र

रिश्ते–नातों के बढ़ते कदम

■ श्रीमती कृष्णलता छिब्बर *(सेक्रेटरी रिश्ते–नाते जीएमएस)*

जनरल मोहयाल सभा 1980 से रिश्ते–नाते करवाती है। वक्त के साथ जनरल मोहयाल सभा के अथक परिश्रम से काफी परिवर्तन आया है। सर्वप्रथम शादी दरबार एवम् मोहयाल मित्र में एडवरटाइजमेंट (प्रकाशन) द्वारा रिश्ते–नाते होते थे। 1984–85 में इन्द्रपुरी में मासिक मोहयाल मिलन आरम्भ हुआ। जनरल मोहयाल सभा ने 2006 से रिश्ते–नाते मेला प्रारम्भ किया। इसमें जीएमएस को काफी सफलता मिली।

हमारी बिरादरी में नवयुवक, नवयुवती सजग हुए। उन्हें अपने–पन का एहसास होने लगा। सभी वार्गों के बच्चों में उत्साह भरपूर आया। आपस में चर्चा अपनी जाति में विवाह की थी। आज वह अपने भविष्य की चिन्ता करता है। उसकी हार्दिक इच्छा है। अपना रिश्ता अच्छे परिवार एवं कुशल वर जो उनका साथ दे। उसी से विवाह करना चाहता है। आयु की चिन्ता न करते हुए। विवाह बिरादरी में करने की कामना उनमें है।

जनरल मोहयाल सभा बच्चों अभिभावकों माता–पिता की सुविधा के लिए युवकों, युवतियों के बायोडाटा को जीएमएस वेबसाइट पर भी डालती है। जिसे वह अपने लड़के व लड़की से मैच करता बायोडाटा मिल जायें। वह आपस में बात कर सके। वाट्सआफ पर भी लड़के, लड़की अपने बायोडाटा, अपने विचार मुझे भेजते हैं। जिन्हें आमने–सामने बात कर पूरा किया जा सकता है। अपने लिए स्वयं वर व वधु भी ढूँढते हैं। अपने बड़ों का सम्मान भी करते हैं। उसका मुख्य कारण है। युवक एवम् युवती शिक्षित हो गए हैं। उन्हें अपने मेल का वर व वधु चाहिए।

परिवर्तन उनकी भावनाओं, सोच में आ गया है। वह स्वयं फोन द्वारा अपनी शादी का निमन्त्रण, ई–मेल द्वारा, वाट्सआप द्वारा भेजते हैं। यदि उन्हें ठीक वर, वधु का बायोडाटा नहीं मिलता। वह मुझसे फोन द्वारा उनकी मन पसन्द के डिटेल देती हूँ। समय बदल रहा है। रिश्ते–नाते कराने से पहले युवक, युवती को पहले रजिस्ट्रेशन करवाना चाहिए। यदि आपके डिटेल हमारे पास होगें। तभी हम आपके बायोडाटा किसी को बता सकेगें। यह आपके लिए बहुत आवश्यक है।

सर्वप्रथम हमें वर व वधु के बायोडाटा मैच कराते हैं। इसके पश्चात पत्री–मिलान कराते हैं। यदि आप आवश्यक समझते हैं। परिवार कैसा है। दोनों बच्चें शिक्षित हैं। उनके विचार आपस में मिलते हैं। जीवन में सभी बातें नहीं मिलती। यदि एक बात नहीं मिलती आपको उसे भूल जाना चाहिए। कई बार लड़की की ऊँचाई पर रिश्ता नहीं हो पाता उसे भूल जाना चाहिए। रिश्ता जोड़ लेना चाहिए।

जनरल मोहयाल सभा युवक, युवती के शुभ विवाह निमन्त्रण की सूचना प्राप्त होने पर जीएमएस कार्यालय से कोई न कोई प्रतिनिधि बच्चों को आशीर्वाद के रूप में उपहार स्वरूप मोहयाल हिस्ट्री एवम् आशीर्वाद देने पहुँचता है। ज.मो. सभा द्वारा निर्धन परिवार की लड़कियों की शादी पर आर्थिक सहायता भी करती है। जी.एम.एस. सामूहिक विवाह भी करवाना चाहती है। अभी तक हमें किसी भी सभा की तरफ से सहयोग नहीं प्राप्त हुआ है। इसमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। आशा करती हूँ हमें इस कार्य में भी अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

हमारी सफलता का सारा श्रेय हमारे प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी बाली जी एवम् रिश्ते–नाते कमेटी के सभी कार्यकर्त्ताओं, एवम् जनरल मोहयाल सभा ऑफिस कर्मचारियों को जाता है। आपका अधिक समय न लेते हुए, इन शब्दों के साथ आपका सहयोग हमें हमेशा की तरह मिलता रहेगा।

जय मोहयाल!

दूरभाषः 011–26518522, मो. 9968667740

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मतदाताओं के लिए दिशा-निर्देश

1. इस वर्ष होने वाले चुनाव के लिए जिन सदस्यों के हमें आवेदन पत्र आए हैं और जांच के बाद जो आवेदन पत्र वैद्य पाए गए उन सदस्यों की नामावली वर्णमाला के अनुसार मतपत्र पर अंकित है।
2. प्रत्येक सदस्य जो मत देने के अधिकारी हैं एवं जिनका नाम मतगणना सूचि में अंकित है उनकी सूचना के लिए हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि:–
   (अ) मतपत्र में जिस सदस्य को आप अपना मत देना चाहते हैं, उसमें केवल 40 प्रत्याशी जिसमें 35 पुरुष और 5 महिलाऐं हैं, उनके नाम के सामने बने चौखट के ☐ चिन्ह को काली व नीली स्याही के बाल पैन से पूर्णतया चिन्हित करें।
   (ब) 40 से ज्यादा चिन्हित किए गए मत मान्य नहीं होंगे।
   (स) अपना मत केवल चुनाव अधिकारियों द्वारा भेजे गए मतपत्र पर ही करें, उसके अलावा मतपत्र मान्य नहीं होंगे।
   (द) मतपत्र के नीचे बनाए गए कालम पर अपना वोटर नम्बर जो आपके लिफाफे पर अंकित है और पूरा नाम व हस्ताक्षर अवश्य करें।
   (क) जो मतदाता विदेश में रहते हैं उनकी सुविधा के लिए उनका मतपत्र ई–मेल के माध्यम से भी भेज सकते हैं इसके लिए उन्हें अपना ई–मेल आइडी gen.kamal@gmail.com पर भेज सकते हैं।
   (ख) अपना मत अंकित करने के उपरान्त उसे आप संलग्न 5 रुपए के लगे लिफाफे के अन्दर डालकर अच्छी तरह बंद करके डाक द्वारा शीघ्रातिशीघ्र भेज सकते हैं ताकि 3 सितम्बर 2015 तक हमें प्राप्त हो जाए।
   (ग) आपकी सहूलियत के लिए यह प्रावधान भी किया गया है कि आप अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों के मतपत्र जिनका कि एक ही पता जो जी.एम.एस कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के दौरान आकर मतगणना रजिस्टर में अंकित करने के उपरान्त सील्ड मतपेटी में डाल सकते हैं।

मेरी आवाज सुनो

दोस्तों यह आवाज किसी इंसान की नहीं बल्कि एक मुर्गे की है। इसका कहना है क्या आप को मेरी गर्दन पर चलती छुरी दिखाई नहीं देती। क्या मेरा बहता खून दिखाई नहीं देता। क्या मेरा दर्द आप महसूस नहीं करते। कृपया अपनी जीभ के स्वाद के लिए मुझे दर्दनाक मौत न दे, कृपया मुझे बख्श दे, और शाकाहारी बने।
(यह मेरी मौलिक रचना है)–***अमन बक्शी,*** *लुधियाना (मो.) 9914444711*

बधाई

कुमारी नेहा बाली सुपुत्री स्वर्गीय श्री सूरज प्रकाश बाली ने 12वीं की कक्षा में कामर्स स्ट्रीम की हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई परीक्षा में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने स्कूल सरस्वती विद्या मन्दिर पावँटा साहिब में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मोहयाल सभा पाँवटा साहिब कुमारी नेहा बाली के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

हार्दिक शुभकामनाएँ

अरुणा छिब्बर, *सचिव एमएस पावंटा साहिब*

नर्मदा दर्शन

बड़े मधुर हैं लोग नर्मदा
के तट पर जो रहते
अति सुंदर है दृश्य वहाँ का
बीच पहाड़ों का।

बड़ी पुरानी साध थी मेरी
दर्शन करने की
सुना था जब से शंकरादि का
स्त्रोत नर्मदा का।

शिला पर अंकित स्तुति को मैंने
पढ़ा वहीं खड़े हो कर
बोला था ऊँचें स्वर में
गद्–गद् मन से हो कर।

भीषण गर्मी में भी शीतल
जल था पावन नद का
ऐसा था वरदान कि जो
संताप हरे मन का।

अनन्तकाल से बहते नद हैं
कितने प्यारे लगते
तट पर छिपा के तब जाकर
देखा मैंने महाकाल भी।

पूरनचंद बाली "नमन"
सी–1606, ओबेराय स्पलैण्डर, जे वी एल रोड, जोगेश्वरी (पूर्व) मुम्बई

"लैबर चौक"

कुछ के चेहरे बुझे–बुझे थे, कुछ के चेहरे लाल,
जिनको मालिक ले गए चुन कर, लगते थे खुशहाल।
बाकि बचे वो थोड़े से थे, चेहरों पर छाई उदासी,
आसमान में झाँक रही थी, उनकी आँखें प्यासी।
ना उम्मीद हुए बैठे थे, कैसी किस्मत खोटी,
कैसे जलेगा रात का चुल्हा, कहां पकेगी रोटी।
आज भी घर जाएंगे, फिर वो खाली हाथ,
भूख के मारे रोएँगे बच्चे, फिर से सारी रात।
इनकी व्यथा ना पूछो भाई, कितने हैं मजबूर,
इसीलिए तो कहते हैं, मजदूर मजे से दूर।
पूरे कहां से हो पाएंगे, इनके सारे शौक,
सुबह–सुबह दिखते हैं ऐसे, सारे लैबर चौक।

संजीव दत्त शर्मा, *गोहाना (हरियाणा)*
मो. 09812118104, 09649688510

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 5 जुलाई 2015 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 35 भाई, बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के साथ बैठक प्रारम्भ हुई।

शोक समाचार: श्री एम.एस वैद व श्रीमती कमला मेहता के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया व सभी ने उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

श्री रमेश दत्ता जी ने पहली बार मीटिंग में सदस्यों का स्वागत किया एवं सभी को बताया कि श्री सुरजीत मेहता जी, जो एम.एस. फरीदाबाद के कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं व जिनकी देखरेख में यह भवन बना है, काफी समय से अस्वस्थता के कारण मीटिंग में उपस्थित नहीं हो पा रहे थे, आज वह बैठक में उपस्थित हैं। सभी ने उनका हृदय से स्वागत किया।

रायज़ादा के.एस बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ी व सभी को सूचित किया कि जिन मोहयाल बच्चों ने 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वह अपनी मार्कशीट की प्रति व फार्म भर कर जीएमएस नई दिल्ली भेजें और जिनके 60 प्रतिशत व उससे अधिक अंक आए हैं वह जल्द ही हमारी सभा से संपर्क करें ताकि आगे का कार्यक्रम तय किया जा सके।

प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को जीएमएस की कार्यविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि जीएमएस ने विधवा फंड को 750 रु. से बढ़ा कर 1000 रु. कर दिया है व हमारी कमेटी चाहती है कि जिनको हम 250 रुपए दे रहे हैं, उन्हें 500 रु. दिए जाएँ, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया है। दत्ता जी ने बताया कि पिछली मीटिंग में क्रिकेट टीम की चर्चा हुई थी, उस संदर्भ में एक कमेटी गठित की गई है, जिसमें रायज़ादा के.एस. बाली जी, श्री विनय बक्शी, श्री मिथलेश दत्ता व श्री श्री नगेंन्द्र दत्ता जी होंगे। वे इन बच्चों के साथ बैठक करके दो–तीन महीने में टीम तैयार कर लेंगें। इस कार्य में यदि किसी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी, उन्हें पूरा सहयोग दिया जाएगा।

श्री राजेन्द्र मेहता जी ने योग के आसनों के बारे में जानकारी दी। श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि आज श्री आर.सी दत्ता जी ने अपने पोते के जन्मदिन के अवसर पर नाश्ते की व्यवस्था की है। सभी ने उनको मुबारक दी व बच्चे की दीर्घआयु के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रीमती बाला बाली जी ने गीत गा कर बच्चे के जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्रित की–श्री चन्दर मेहता जी ने अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती कमला छिब्बर की याद में 1100 रु., श्रीमती उर्मिला वैद जी ने अपने पति स्व. श्री एम.एस. वैद जी की याद में 1000 रु. सभा को भेंट किए। श्री आर.सी. दत्ता ने 500 रु. विधवा फंड में, श्री पी.एल बाली जी ने अपनी दोहती के बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने की खुशी में 250 रु., दीवान आर.के. दत्ता जी ने अपनी पत्नी की याद में 200 रु., श्री जगमोहन छिब्बर जी ने 200 रु., श्री बलराम दत्ता जी ने अपनी शादी की 46वीं सालगिरह के मौके पर एक सौ एक रु. व श्री सतीश दत्ता, श्री आर.पी बाली व श्री नगेन्द्र दत्ता जी ने 100 रु. की सहयोग राशि के रूप में सभा को दिए।

प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों को इतनी गर्मी में मीटिंग में पहुँचने के लिए धन्यवाद किया। सभी ने श्री आर.सी. दत्ता जी को स्वादिष्ट नाश्ते के लिए धन्यवाद किया। अगले माह की मीटिंग 2 अगस्त को मोहयाल भवन में ही होगी, अतः सभी मोहयाल भाई–बहनों से अनुरोध है कि समय पर आने का कष्ट करें।

मेश दत्ता, *प्रधान* — *मो.: 9212557096*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

यमुनानगर

सभा की मासिक बैठक दिनांक 5 जुलाई 2015 को सायं 5 बजे मोहयाल भवन, सरोजनी कालोनी, फेस–1 में मेहता विपिन मोहन जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना एवम् गायत्री मंत्र के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 16 सदस्यों ने भाग लिया।

शोकसमाचार: 1. श्रीमती भाग दत्ता धर्मपत्नी सतपाल दत्ता का निधन यमुनानगर में हुआ।

2. कविता बक्शी धर्मपत्नी श्री चन्द्रमोहन बक्शी का देहांत 22.06.2015 को जालंधर में हुआ।

3. श्री काकाराम जी दत्ता तिलक नगर, जगाधरी वर्कशाप के निधन पर परिवार की ओर से 500 रु. मोहयाल भवन यमुना नगर को भेंट किए। सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर इन आत्माओं की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

शुभस्वास्थ्य कामना: श्रीमती नीता बाली धर्मपत्नी मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी एवम् श्रीमती सुषमा मेहता (लौ) धर्मपत्नी श्री पी.एल. मेहता जी सदस्य इलैक्शन कमेटी जीएमएस दोनों का घुटनों का आप्रेशन हुआ। शुभ एवम् शीघ्र स्वास्थ्य के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शुभ समाचारः श्री विजय कुमार मेहता (छिब्बर) सुपुत्र श्री सोम दत्त मेहता (छिब्बर) ने अपनी नौकरी पेपर मिल युमनानगर से सेवानिवृत्त दिनांक 30.06.2015 को होने पर अपनी खुशी से पाँच सौ रुपए सभा को भेंट किए। सदस्यों ने स्वस्थ तथा दीर्घ आयु की प्रार्थना की।

प्रधान सभा मेहता विपिन मोहन जी ने सदस्यों को सूचित किया कि अगर कोई 45 वर्ष से कम आयु की विधवा स्त्री किसी हुनर अतार्थ कला को सीखना चाहती है या पढ़ी लिखी विधवा बी.एड करना चाहती है तो वह इस सभा से संपर्क करे। प्रधान जी ने जीएमएस के 15 जुलाई 2015 से शुरू होने वाले चुनाव की प्रक्रिया की सूचना दी।

इस पर सभा के कर्मठ सदस्य श्री यशपाल जी मोहन ने सब मोहयालों से आग्रह किया कि जी.एम.एस की आगे से भी ज्यादा और तरक्की के लिए मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी तथा उनकी बनाई हुई टीम को भारी मतों से आगे लाऐं ताकि बिरादरी की भलाई के लिए शुभ कार्य किए जाऐं।

विनोद मेहता, *महासचिव* ***बक्शी नन्दलाल भिमवाल,*** *सचिव*

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मासिक बैठक प्रधान श्री दिनेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन, न्यू बैंस कलोनी, ऊना रोड में हुई।

सबसे पहले एन.आर.आई सैल के प्रधान श्री जगदीशलाल मेहता के निधन पर, उनकी आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया तथा पाँच बार गायत्री मन्त्र का याप किया गया। प्रधान जी ने कहा कि वह एक महान तथा कर्म निष्ठ मोहयाल थे। वह मोहयाल सभा होशियारपुर की रीड की हड्डी थे, सभी मोहयाल उनका बहुत आदर करते थे, उनके निर्देशों तथा बताई गई बातों को आदर देते थे। जब भी उनके घर में खुशी का अवसर होता, वे सभी मोहयालों को अपने घर बुलाया करते थे। वह तथा उनका परिवार सभी का खुशी से आदर करता तथा आओ भगत करता था। भवन निर्माण में उन्होंने जो योगदान दिया, मोहयाल सभा उसे कभी भी भुला नहीं सकती। उनके कार्यों को सदा याद रखा जाएगा। उनके पुत्रों जगमोहन मेहता व राजीव मेहता ने अंतिम समय तक उनकी बहुत सेवा की है। उनके निधन से जहाँ होशियारपुर मोहयाल सभा को एक योग्य नेतृत्व का अभाव हुआ है, जनरल मोहयाल सभा को भी एक महान मोहयाल की कमी सदा अनुभव होती रहेगी।

इस अवसर पर प्रधान दिनेश दत्ता, बरिन्द्र दत्त वैद, विजयंत बाली, मनोज दत्ता, पवन मेहता, जगमोहन मेहता, इन्द्रमोहन बाली और अरविंद मेहता शामिल थे।

■ सभा की बैठक श्री दिनेश दत्ता की अध्यक्षता में ऊना रोड, मोहयाल भवन न्यू बैंक कलोनी में हुई। एन.आर.आई सैल के प्रधान श्री जगदीशलाल मेहता के बीमार होने तथा डी.एम.सी लुधियाना में दाखिल होने पर उनके स्वास्थ्य के लिए सभी ने मंगल कामना की। श्री श्याम सुन्दर दत्ता जो अमेरिका गए हुए हैं, ने संदेश भेजा की उनकी दोहती पैदा हुई है, परमात्मा से बच्ची की दीर्घ आयु की सभी ने मंगल कामना की। मोहयाल सभा में इस बात पर विचार किया कि मोहयाल एजूकेशन सोसाइटी जो, आर.के पुरम में स्कूल चला रही थी, जिसकी कीमत लगभग 400 करोड़ थी, को कुछ स्वार्थी मोहयालों ने बहुत कम कीमत में बेच दिया, इस बात का पता हमें सीडी देखने से चला है, जो मोहयाल सी.डी में पैसों का लेन देन कर रहे हैं, ऐसे स्वार्थी मोहयालों की पहचान कर, उन्हें मोहयाल बिरादरी से बाहर कर दिया जाना चाहिए। कुछ स्वार्थी लोग फेसबुक व सोशल मीडिया पर हमारे बुजुर्गों का जो अपमान कर रहे हैं तथा गलत प्रचार कर रहे हैं मोहयाल सभा होशियारपुर ने इन बातों की निंदा की।

इस अवसर पर दिनेश चन्द्र दत्ता, मनोज दत्ता, विजयंत बाली, बरिन्द्र दत्त वैद, पवन मेहता, इन्द्रमोहन बाली और ओंकार बाली शामिल थे।

विजयंत बाली व मनोज दत्ता

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 10 जून 2015 को श्रीमती रीता मेहता जी के निवास 268, क्रॉस तपोवन एन्क्लेव में हुई। जिसमें 15 महिलाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम प्रार्थना व गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

सभा में नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। श्रीमती दीपिका मोहन–*प्रधान,* श्रीमती सविता मेहता वैद–*सचिव,* श्रीमती रीटा मेहता–*कोषाध्यक्ष* व श्रीमती अर्चना दत्ता–*उपप्रधान* सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे। श्रीमती दीपिका मोहन जी ने कहा कि जो महिलाऐं सभा में नहीं आती है, उनसे भी आने के लिए कहा जायें। शांति पाठ के साथ सभा के अंत में सभी ने श्रीमती रिटा मेहता जी का बढ़िया जलपान के लिए धन्यवाद किया।

■ सभा की मासिक बैठक 12 जुलाई को श्रीमति नीता मोहन जी के निवास नारायण विहार मे हुई जिसमें 13 महिलाओं ने भाग लिया सर्वप्रथम प्रार्थना व गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

तेज बारिश होने पर भी सभी महिलायें नीता जी का पहुँची। श्री कमल रतन बैध जी ने दोहता होने की खुशी में महिला मोहयाल सभा को 500 रू. दिया सभी ने उनका धन्यवाद किया व बच्चे की दीर्घायु का कामना की।

महिला मोहयाल सभा ने प्रत्येक माह श्री मदन लाल मेहता जी को आर्थिक सहायता के रूप में 500 रू. देने का निर्णय लिया

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

है। सभा में श्रीमति इन्दु बाली दत्ता, श्रीमति आरती दत्ता, श्रीमति अर्चना दत्ता ने कहा कि अगले महीने तीन सैलिब्रेशन होना चाहिये।

शांति पाठ के साथ सभा के अन्त में सभी ने श्रीमति नीता मोहन जी का बढिया जलपान के लिये धन्यवाद किया।

सविता मेहता वैद, *सचिव*
मो. 9837511348

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा की मासिक बैठक श्री विनोद **छिब्बर**, प्रधान की अध्यक्षता में भवन प्रांगण में हुई, जिसमें लगभग 30 सदस्यों ने हिस्सा लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद श्री सुधीर दत्ता जी भवन प्रबन्धक ने अपना लेखा–जोखा पेश किया।

श्री दलीप सिंह दत्ता जी ने भूतपूर्व प्रधान की जगह गलती से प्रधान लिखे जाने पर खेद व्यक्त किया और इसे प्रिंटिंग गलती बताया। उन्होंने यमुनापार मोहयाल सभा को विधवा फण्ड के लिए 6000 रुपए भी दिए, जिसके लिए सभी सदस्यों ने धन्यवाद दिया। जनरल सेक्रेटरी विनोद बाली ने सभी सदस्यों से अपील की कि वह अधिक से अधिक धन देने की कोशिश करें। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस मनाने और होशियार बच्चों को उस दिन ईनाम देने का प्रोग्राम बनाकर, सभा से अनुमति ली, जिसकी सभी सदस्यों ने सराहना की। सभा की अनुमति से नये कोषाध्यक्ष के रूप में श्री सतीश बाली का नाम घोषित किया गया।

श्री एस.एस. मोहन ने मोहयाल स्कूल के बारे में तथा जीएमएस की कार्यवाही के बारे में सभा को बताया।

श्री गुलशन छिब्बर जी जो यमुनापार की मोहयाल डायरेक्ट्री बना रहे हैं, उनके काम की सबने सराहना की तथा मोहयाल भाईयों को उनका सहयोग करने की अपील की। **छिब्बर** जी का मो.न. 9560544726 है।

श्री चन्द्रमोहन **छिब्बर** जी ने अपने भाई स्वर्गीय श्री ब्रिज मोहन **छिब्बर** की प्रथम बरसी पर हवन तथा परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनकी पत्नी चन्द्रकांता छिब्बर में आर्थिक रूप से कमजोर बहनों के लिए जीएमएस को 500 रु. व यमुनापार सभा को 500 रु. तथा बनवासी कल्याण को 500 रुपए दान दिए। डा. पी.एस. लौ, श्री विनोद **छिब्बर** जी, बिनोद बाली जी और नरेन्द्र मोहन जी ने विधवा फंड के लिए आर्थिक सहायता दी।

अन्त में चाय–नाश्ते के बाद सभा समाप्त करने की घोषणा की।

बिनोद बाली, *जनरल सेक्रेटरी*
मो. 9871819500

अंबाला छावनी

दिनांक 5.07.2015 को दीपक होम्योज़ पर कमांडेंट पी.आर मेहता (रिटा.) की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 13 सदस्यों ने भाग लिया। श्री नवीन वैद जी जो लगभग दो वर्ष बाद सभा में शामिल हुए प्रधान जी ने उनका स्वागत तथा धन्यवाद किया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

एच.एफ.ओ एम.एल दत्ता जी ने 13.06.2015 को मोहयाल फाउंडेशन में जीएमएस द्वारा लोकल सभाओं के प्रधान व सचिवों की बैठक में उठाए गए सभी विषयों तथा समाधानों पर विस्तार से चर्चा का परिचय दिया जोकि मोहयाल मित्र जुलाई 2015 के अंक में छपा है। ये सारे प्वाइंट कंप्यूटर द्वारा प्रिंट निकाल कर सदस्यों को उनकी जानकारी के लिए बांटे गए।

श्री एस.के. मेहता जी ने स्पष्टीकरण मांगा कि जो मोहयाल विधवाएं या निर्धन परिवार अपनी बेटी की शादी पर जीएमएस से सहायता चाहते हैं क्या इसके लिए कोई प्रावधान है? इस विषय पर लोकल सभा ने निर्णय लिए कि सब सदस्य मिलकर न्यूनतम 500–500 रुपए प्रति सदस्य की राशि इकट्ठी करके ऐसे समारोह पर सभा की तरफ से भेंट किया जाए। परन्तु ऐसे समारोह की पंद्रह दिन पहले सूचना मिल जानी चाहिए। इसी प्रकार जीएमएस फांइनेंश सेक्रेटरी तथा प्रधान जी को भी निमंत्रण कार्ड व सहायता–प्रार्थना पत्र, स्वयं परिवार सदस्य देकर आए या लोकल सभा को इस कार्य के लिए आग्रह कर सकता है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी अवार्ड–सम्मान हेतु सीबीएससी 10वीं व 12वीं 2015 के योग्य विद्यार्थियों से प्रार्थना पत्र मांगे गए हैं। जिन विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाए हैं, वो शीघ्र फार्म भर कर जीएमएस भेज दें या लोकल सभा को दे दें। इसके अलावा जो विधवा बच्चों की पढ़ाई वर्ष 2015 के लिए आर्थिक सहायता की इच्छुक हैं जीएमएस को एप्लीकेशन लोकल सभा को, जीएमएस को भेजने के लिए दें। केस मैरिट बेस पर भेजा जाएगा।

दानराशिः कमां. पी.आर मेहता 500 रु. (लोकल सभा) एचएफओ एम.एल. दत्ता 200 रु., श्री दीपक दत्ता 100 रु., श्री एस.के. मेहता 100 रु., और श्री एम.के. वैद 100 रु. दान दिए हैं। श्रीमती मंजीता शर्मा **छिब्बर** को सूचित कर दिया गया है कि उनका पूरा विधवा सहायता फार्म जीएमएस को पुर्नविचार के लिए भेज दिया गया है।

सभा बैठक समाप्ति से पहले जीएमएस 5 वर्षीय चुनाव की जानकारी दी गई जो मोहयाल मित्र जुलाई 15 के अंक में छपा है।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रधान जी ने दत्ता परिवार का आवभगत के लिए धन्यवाद किया तथा अगली मासिक मीटिंग श्री एस.के. मेहता के निवास स्थान पर होने की सूचना दी। जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्त हुई।

एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की माह जुलाई की बैठक सहसचिव श्री राजेश दत्ता जी के निवास 20, निखिल गार्डन शमशाबाद रोड, आगरा पर कार्यवाहक अध्यक्ष श्री अनिल मेहता की अध्यक्षता एवं श्री कामरान दत्ता जी के संरक्षण में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई, जिसमें 30 भाई–बहनों व नन्हें मुन्नें बच्चों ने भाग लिया तथा सभी ने अपने–अपने स्तर पर अपने–अपने विचार रखे। जिसमें निम्न एजेडों पर भी चर्चा हुई।

1. सर्वप्रथम सभा में स्व. श्री एम.वी. दत्ता जी जो कि पूर्व मोहयाल सभा आगरा के निर्वाचित कोषाध्यक्ष थे, जिनका निधन मेरठ में हाल ही में हुआ था, पर दो मिनट का मौन रख कर शोक श्रद्धांजलि प्रकट की गई।

2. संरक्षक महोदय ने जीएमएस में 13.06.2015 को हुई मीटिंग के विषय में सभी को अवगत कराया तथा सभी आजीवन सदस्यों को इसकी जानकारी दी। साथ ही साथ वृंदावन आश्रम में ठहरने में होने वाली परेशानियों के विषय में भी बताया तथा सभी उपस्थित भाई–बहिनों से निवेदन किया कि कमरा पहले से ही बुक करवाने की कोशिश किया करें, जिससे ठहरने में परेशानी न हो।

3. सचिव महोदय ने लेखक भाई वेद व्यास दत्ता जी द्वारा भेजी गई पुस्तक ''बीरम शाही'' विधान दत्ता द्वारा दत्ता भाईयों की अन्य जानकारी सहित भेजी गई पुस्तक के विषय में बताया व लेखक महोदय का बहुत–बहुत धन्यवाद किया।

4. जैसा कि सभी को अवगत है कि रायज़ादा बीडी बाली साहिब ने हर विधवा की मासिक पेंशन 750 रु. से 1000 रु. प्रति माह जुलाई से करने की घोषणा की है, जिसका सभा में स्वागत किया तथा सभी मेधावी छात्रों के वजीफों के विषय में भी विचार किया तथा जिसका सभी ने स्वागत किया व सभी भाई, बहिनों को मोहयाल मित्र के सदस्य बनने व मोहयालियत को जीवित रखने हेतु मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनने व बच्चों को मोहयालियत के बारे में बताने, शिविर में बच्चों को लाकर शिक्षित करने हेतु उनकी उच्च शिक्षा मोहयाल संस्थानों से उनको जोड़ों, आदि विषय में सचिव महोदय ने श्री बी.डी बाली जी के विचारों से सबको अवगत कराया।

5. वर्ष 2015–16 में नवीन कार्यकारिणी के गठन हेतु चुनाव हेतु सभी आजीवन सदस्यों को बताया व इस पर चर्चा की गई। बैठक में आए सभी भाई–बहिनों ने सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना को पढ़ा और उसको अपने जीवन में ढालने की बात कही।

6. श्री बृजमोजन जी ने 1100 रुपए अपने बच्चों के पास होने पर मोहयाल सभा आगरा को शिक्षा फंड हेतु दिए, जिस पर सभी सदस्यों ने मुबारकबाद दी।

7. श्रीमती गुंजन मोहन ने अपने बच्चे की खुशहाली हेतु 500 रुपए सभा को प्रदान किए।

सभा में आए सभी आगन्तुकों का संरक्षक, अध्यक्ष व सचिव ने बहुत–बहुत स्वागत किया व धन्यवाद दिया। विशेष रूप से नन्हें–मुन्नें बच्चों तनु दत्ता, तनुष्का दत्ता, अनुष्का दत्ता, एविक, सारा, मोहक वैद, अश्विन वैद आदि सभी बच्चों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया और सभा के अन्त में सभी महिला कमेटी की सदस्यों व सभी सदस्यों ने मिलकर श्रीमती ममता दत्ता द्वारा प्रस्तुत भजन का आन्नद लिया तथा गायत्री मंत्र, शांति पाठ व जय मोहयाल के साथ अध्यक्ष महोदय व संरक्षक महोदय द्वारा सभा समाप्ति की घोषणा की तथा श्री राजेश दत्ता जी के परिवार वालों को बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मो. 9897455755

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 3 जुलाई 2015 को जंज घर मार्डन कालोनी, आई.टी.आई में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। सभा के सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे।

शोक समाचारः सर्वप्रथम सभा ने सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री काका राम जी दत्ता जिनका निधन हो गया है सभा उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करती है। इस दुःख की घड़ी में सभा दत्ता परिवार से संवेदना व्यक्त करती है।

शुभ स्वास्थ्यः 1. सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी के भाई श्री सुभाष दत्ता जी जिनकी दुर्घटना में पांच की हड्डी टूट गई थी। शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती है।

2. श्री के.एल दत्ता जी काफी दिनों से अस्पताल में भर्ती है। शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती है। इन दोनों के शुभ स्वास्थ्य के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

सभा ने जीएमएस के चुनाव घोषणा पर हर्ष जताया एवं सभी सदस्यों ने एकमत से वर्तमान नेतृत्व में अपनी आस्था प्रकट की तथा पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री एस.एन छिब्बर जी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता छिब्बर की तीसरी पुण्य–तिथि पर सभा को 500 रुपए भेंट किए।

अगस्त माह की मीटिंग 02.08.2015 को जंज घर माडर्न कॉलोनी यमुना नगर में होगी।

एस.पी बाली, *सचिव*
मो.: 9729530102

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*
मो. 09355310880

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 31.05.2015 को श्री मनमोहन बाली (उपप्रधान) के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता माननीय प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही सचिव श्री राजेश बाली ने पढ़कर सुनाई एवं आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

मोहयाल मिलन जो जून 2015 माह में होना था भीषण गर्मी के कारण अब अक्टूबर 2015 में होना तय किया गया। सभी ने इस पर सहमति प्रदान की। सचिव श्री राजेश बाली ने सभा को सूचित किया कि तीन जरूरत महिलाओं की आर्थिक सहायता नियमतीकरण हेतु आवेदन पत्र भर कर जीएमएस को भेज दिए गए हैं।

श्री रिपुदमन बाली की भांजी तथा श्रीमती नवीता दत्ता तथा श्री आशीष दत्ता की सुपुत्री सुश्री अनुष्का दत्ता ने दसवीं कक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, सभी ने उनको बधाई दी तथा सभा ने सुश्री अनुष्का दत्ता को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। श्रीमती रजनी बाली (रिपुदमन बाली जी की माता जी) ने सभा को 251 रु. भेंट दिए। प्रधान श्री डी.एन. दत्ता तथा उप–प्रधान श्री मनमोहन बाली जी ने बैठक में सदस्यों की कम संख्या होने पर चिंता व्यक्त की।

अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन से तृप्ति पर श्री मनमोहन बाली जी का हार्दिक धन्यवाद किया।

■ सभा की मासिक बैठक दिनांक 30.06.2015 को श्री हर्षवीर मेहता (उप–प्रधान) के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता माननीय प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही सचिव श्री राजेश बाली ने पढ़कर सुनाई एवं आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

श्री डी.एन. दत्ता तथा श्री राजेश बाली ने जीएमएस द्वारा आयोजित प्रधान एवं सचिव की बैठक में 13 जून 2015 को भाग लिया था। श्री डी.एन. दत्ता ने उक्त बैठक में लिए गए मुख्य निर्णयों की सभा में उपस्थित सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी।

श्री रिपुदमन बाली जी की भाँजी सुश्री अनुष्का दत्ता निवासी गाजियाबाद ने दसवीं कक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। यह एक होनहार विद्यार्थी है। सभा में विचार किया गया कि सुश्री अनुष्का दत्ता का नाम जी.एम.एस. में छात्रवृत्ति हेतु भेजा जाए।

शोक संदेशः श्री दलीप छिब्बर जी की माता जी श्रीमती राज रानी छिब्बर का 22.05.15 को उनके निवास अंबाला में देहांत हो गया था। दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

प्रधान जी ने श्रीमती एवम् श्री हर्षवीर मेहता का अपने निवास स्थान पर मासिक बैठक आयोजित कराने पर हार्दिक धन्यवाद दिया। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती एवं श्री हर्षवीर मेहता जी को हार्दिक धन्यवाद दिया।

राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

पांवटा साहिब

सभा की मासिक बैठक 8.02.2015 को श्री मुनीश वैद, निवास स्थान आदर्श कालोनी, पांवटा साहिब में श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान) की अध्यक्षता में लगभग 31 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के उपरांत सभा की कार्यवाही शुरू की गई। पिछले माह की कार्यवाही पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

शुभ समाचारः श्री मुनीश वैद जी की सुपुत्र कु. नियति वैद का जन्म दिवस जो कि 14.02.2015 को है आज सभी मोहयाल सदस्यों व परिवार के साथ खुशी–खुशी मनाया गया।

श्रीमती बाला बाली पत्नी श्री सूरज प्रकाश बाली, प्रधान का जन्मदिवस आज 8 फरवरी को है। हर्षपूर्वक सभी के साथ केक काट कर मनाया गया। सभी ने इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उपस्थित महिलाओं ने 11वीं किट्टी निकाली जो कि श्रीमती मोहिनी बाली जी के नाम रही। उपस्थित सदस्यों ने तंबोला खेल का आनन्द लिया।

श्री राकेश बाली जी ने प्रस्ताव रखा कि मोहयाल सभा पांवट साहिब के चुनाव करवा लिए जाएं, इस पर सभी उपस्थित सदस्यों से विचार विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि 31 मार्च तक यह वर्तमान कमेटी कार्य करेगी व 31 मार्च 2015 से इस कमेटी को भंग समझा जाएगा। एक बार फिर चुनाव के बाद नए चुने हुए सदस्य अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे।

मोहयाल मित्र वर्ष 2015 के लिए 6 सदस्यों ने वार्षिक शुल्क 200 रु. अदा किए जो कि जीएमएस को भेजे जा रहे हैं।

भेंटः श्री मुनीश वैद जी ने 250 रु. प्रत्येक मोहयाल सभा पाँवटा साहिब व जीएमएस को अपनी सुपुत्री कुमारी नियति वैद के जन्मदिवस के अवसर पर भेंट किए।

श्री मुनीश वैद जी का सभी सदस्यों ने चाय–नाश्ते के लिए धन्यवाद किया। और शांति पाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

■ सभा की बैठक 15.03.2015 को श्री महेश चन्द्र बाली, सचिव वित्त की अध्यक्षता में निवास स्थान श्री चन्द्र दत्ता के लगभग

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

22 सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। पिछले माह की कार्यवाही पर सभी ने अपनी सहमती प्रकट की।

दुखद समाचारः सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान मोहयाल सभा पांवटा साहिब) के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया व दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। मोहयाल सभा पाँवटा साहिब के लिए यह अपूर्णीय क्षति है। जीएमएस से व अन्य मोहयाल सभा से प्राप्त शोक संदेशों को सबसे साझा किया गया।

सभा में उपस्थित महिलाओं ने आखरी पाँच किट्टी इकट्ठी निकाली। सभा की अगली बैठक नव निर्वाचित कमेटी के चुनाव के बाद रखी जाएगी। शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

अशोक छिब्बर, *सचिव* ***अरुण छिब्बर,*** *महासचिव*
मो. 9418173246

सिरसा

आज दिनांक 03.05.2015 को मोहयाल सभा सिरसा की मासिक बैठक प्रधान मदनलाल दत्त की अध्यक्षता में श्री रमेश कुमार छिब्बर के निवास स्थान पर मोहयाल प्रार्थना से आरम्भ हुई।

श्री अशवनी कुमार वैद जी का गत माह देहान्त हो गया था। अप्रैल 2015 में उनकी रस्म–पगड़ी मानसा (पंजाब) में उनके निवास स्थान में संपन्न हुई, जिसमें सिरसा सभा के अलावा लुधियाना तथा जलंधर से आए हुए मोहयालों ने भाग लिया।

इसके बाद सभी सदस्यों ने एक–दूसरे के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बच्चों ने इस मौके पर वाद–विवाद किया। इसी बीच सदस्यों ने सभा के दूसरी सभाओं तथा वे मोहयाल सदस्य जो अभी तक सभा से नहीं जुड़ें उनसे तालमेल बढ़ाने को कहा। प्रधान जी ने सभी सदस्यों से बार–बार किताब मोहयाल मित्र लगवाने के लिए कहा। कुछ सदस्यों से आजीवन सदस्य बनने के लिए मनाया।

अन्त में सभी ने जलपान के लिए रमेश कुमार छिब्बर का धन्यवाद किया।

मदनलाल दत्ता, *प्रधान*
(मो.) 08570994004

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

गायत्री महामंत्र

ओउम् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो।
देवस्य धीमहि, धियो योनः प्रचोदायत्।।

शब्दार्थ –

ओइम् – सर्वरक्षक परमात्मा अर्थात् जो सब की रक्षा करने वाला है।

भुवः – प्राणों से प्यारा अर्थात् जो हमें बहुत चाहता है, जो प्राणों से भी अधिक है।

स्वः – सुख स्वरूप है अर्थात् सभी प्रकार के सुखों को देने वाला है और वह स्वयम् सुख का स्वरूप है।

तत् – उस अर्थात् वह महाशक्ति जिसने इस संसार की रचना की है।

सवितुः – उत्पादक, प्रेरक अर्थात् संसार को प्रकाश देने वाला और प्रेरणा देने वाला है।

देवस्य – भगवान के, इष्ट के अर्थात् देवस्वरूप परमात्मा है।

वरेण्यं – वरने योग्य अर्थात् वह धारण करने योग्य है, अपनी आत्मा में समाने योग्य है।

भुर्गः – शुद्ध ज्ञान का स्वरूप अर्थात् परमात्मा हमारी बुद्धि को अज्ञान से मुक्त कर ज्ञान का प्रकाश करने वाला है।

धीमहि – हम ध्यान करें अर्थात् हमें उसका सिमरन करना चाहिए, उसका मनन करना चाहिये।

यः – जो अर्थात् वह परमात्मा हमारा रक्षक सुख देने वाला, ज्ञान का प्रकाश करने वाला है।

नः – हमारी अर्थात् वह परमशक्ति हमारी रक्षा करने वाली है।

धियो – बुद्धियों को अर्थात् वह हमारी बुद्धि को ज्ञान रूपी प्रकाश देता है।

प्रचोदयातः – शुभ कार्यों में प्रेरित करें अर्थात् उससे प्रेरित होकर शुभ कार्य करने चाहियें।

गायत्री महामन्त्रा चारों वेदों का सूक्ष्म रूप है जिसे चौबीस ऋषियों की चौबीस ऋचाएँ भी कहा जा सकता है। इस महामन्त्रा का भाव हैः– उस प्राण स्वरूप, दुखनाशक, सुखों का दाता, श्रेष्ठ, तेजस्वी पापनाशक, देव स्वरूप परमात्मा को हम अन्तरात्मा में धारण करें ताकि वह परमपिता परमात्मा हमारी बुद्धि को शुभ एवं अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करे।

यदि हम अधिक भजन–पाठ नहीं कर सकते क्योंकि इस भौतिकवादी युग में समय निकालना आसान नहीं फिर भी इस लोक और परलोक को ध्यान में रखते हुए इस मन्त्रा का प्रातः या सायं एक बार अवश्य जाप करना चाहिये। यह मंत्रा ज्ञान का दीप और श्रृद्धा की जाती है जो कि शुद्ध मनोरथ को देने वाला है। इसका जाप करने से प्राणी संकट से मुक्ति पाता है, सुख – सम्पदा को प्राप्त करता है और मुक्ति भुक्ति को सरलता से पा लेता है।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंतिम यात्रा

श्रीमती मेहता बिमला कुमारी लौ का निधन

श्रीमती मेहता बिमला कुमारी लौ का निधन 5 जुलाई 2015 को हो गया। वे 94 वर्ष की थीं। उनके पति स्वर्गीय कंवर मदन मोहन मेहता लौ मोहयाल सभा करनाल के संस्थापक प्रेज़ीडेंट थे। कंवर मदन मोहन मेहता लौ के पिता स्वर्गीय बीरबल लौ और माता श्रीमती सरस्वती देवी लौ थीं। वे पिंड दादन खां (अब पाकिस्तान) के निवासी थे। विभाजन के पश्चात परिवार करनाल में बस गया था। वर्तमान में वे 291, एस.पी. कॉलोनी, करनाल में रहती थी।

उनके परिवार में उनकी पुत्रियाँ श्रीमती नीलम बक्शी (पत्नी श्री जागृत राय बक्शी), श्रीमती मधु बक्शी (पत्नी स्वर्गीय श्री सुनील बक्शी), श्रीमती सुषमा (पत्नी श्री सुरिंदर पाल), श्रीमती सुनीता बाली (पत्नी श्री विजय बाली), श्रीमती अनीता दत्ता (पत्नी ब्रिगेडियर संजीव दत्ता)। उनकी नातिनी पोतियाँ हैं– पूजा छिब्बर (पति श्री विवेक छिब्बर), इति, योशा, अलीशा, उत्कर्ष, अनिका, पूर्णिमा बक्शी (पौत्रवधू, पति श्री सुनंदन बक्शी, पोता)।

श्रीमती मेहता बिमला कुमारी लौ धार्मिक विचारों की सरल और दयालु मोहयाल थीं। उनकी अंतिम क्रिया उनके पोते सुनंदन बक्शी (मन्नू) और देवराज बक्शी ने की थी।

उनकी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन चौदह जुलाई को शिव मंदिर, सैक्टर–6, करनाल में किया गया। इस अवसर पर सगे–संबंधियों और प्रमुख मोहयालों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री गुलशन वैद (प्रेज़ीडेंट मोहयाल सभा करनाल), श्री बी.आर. मेहता (पूर्व प्रधान मो.स. करनाल), एडवोकेट आर. पी. लौ (पूर्व चेयरमैन एम.ई.एस), डॉ. अशोक लव (जी.एम.एस) आदि उपस्थित थे। अनेक सामाजिक–धार्मिक संस्थाओं के शोक–संदेश पढ़े गए।

स्वर्गीय मेहता बिमला कुमारी लौ की स्मृति में अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं को धनराशि भेंट की गई। जनरल मोहयाल सभा को पाँच सौ रुपए और जीएमएस के 'विधवा फंड' के लिए 500 रु. भेंट किए गए।

आई.पी. मेहता और सुरिंदर पाल (भाई)

श्री सूरज प्रकाश बाली का निधन

दिनांक 28 फरवरी 2015 को शाम 9 बजे श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान मो.स. पाँवटा साहिब) का तीन दिन की बीमारी के बाद हृदयघात से अकस्मिक निधन हो गया। यह सभी को स्तब्ध करने वाली खबर थी। श्री सूरज प्रकाश बाली जी का जन्म 7 सितंबर 1952 को कपूरथला पंजाब में हुआ था। श्री बाली बहुत मिलनसार, हंसमुख व जिंदादिल इंसान थे। मोहयाल बिरादरी के लिए उनका विशेष लगाव था। उनकी अपेक्षायें बहुत ऊँची थी।

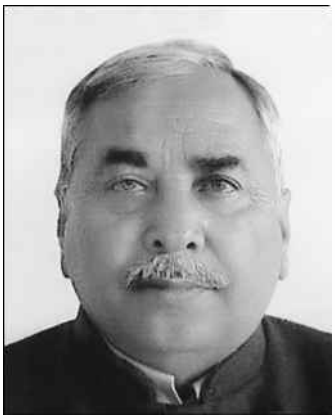

आजकल वो मोहयाल भवन पांवटा साहिब के लिए उचित भूमि की तलाश में सक्रिय थे। मोहयाल सभा पाँवटा साहिब के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है व उनकी कमी को पूरा कर पाना बहुत मुश्किल है।

श्री बाली जी बहुत अच्छे समाज सेवक भी रहे, पांवटा साहिब की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं में उनका पूर्ण योगदान रहता व धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेना उनका शौक था। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के कारण ही उनका नाम बड़े अदब के साथ लिया जाता है। पावंटा साहिब के शिव मंदिर निर्माण में उनके द्वारा किए गए तन–मन–धन से सहयोग के लिए आज भी याद किया जाता है। वो अभी शनि मंदिर निर्माण भांयवाली पांवटा साहिब व जम्मू में करवाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। अपनी कड़ी मेहनत व लगन से उन्होंने अपने कारोबार को भी बहुत बढ़ाया।

वो धर्म–कर्म के अच्छे ज्ञाता भी थे। उनकी शोक सभा में पाँवटा के सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हिस्सा लिया व नम आँखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। जीएमएस व अन्य सभाओं से शोक संदेश भी प्राप्त हुए। मोहयाल सभा नरायणगढ़ के प्रधान श्री टी.के. बाली जी भी अपने साथियों के साथ शोक सभा में शामिल हुए। श्री सूरज प्रकाश बाली जी अपने पीछे पत्नी श्रीमती बाला बाली, पुत्र सुलक्षण व कुलभूषण बाली, और पुत्री नेहा बाली पुत्रवधु श्रीमती भावना बाली तथा पोत्र, पोत्री बलराम व मानसी बाली को छोड़ गए हैं। हमारी भगवान से प्रार्थना है कि वो दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व परिवार को इस अघात को सहने की शक्ति दें।

अरुण कुमार छिब्बर, *सचिव मोहयाल सभा पांवटा व समस्त मोहयाल परिवार।*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती राज रानी छिब्बर का निधन

श्रीमती राज रानी छिब्बर का निधन उनके निवास स्थान शेरपुर सुलखनी बराड़ा (अंबाला) में दिनांक 22 मई 2015 को हुआ था। उनकी रस्म–पगड़ी 2 जून 2015 को अम्बाला में हुई। रस्म–पगडी के समय मोहयाल बिरादरी, मित्रगण एवम् परिवार के सदस्य सम्मलित हुए।

स्वर्गीय राजरानी छिब्बर अपने पीछे पुत्र श्री दिलीप, सुरेश और कुलवीर छिब्बर, पुत्री श्रीमती राजेश कुमारी दत्ता, पुत्रवधु श्रीमती नीरू छिब्बर, पौत्र एवम् पौत्री को छोड़ गयी हैं। श्रीमती राजरानी का निधन परिजनों के लिए अत्यन्त दुखदायी है। ईश्वर की ऐसी इच्छा रही होगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।–*राजेश बाली, सचिव एमएस प्रेमनगर (मो.) 9758135583*

एक बेटी की अपने स्वर्गीय पिता को श्रद्धांजलि

मैं श्रीमती स्वर्ण बाली (भोली) स्वर्गीय पिता श्री गोविन्द राम जी मोहन व माता श्रीमती राजरानी मोहन, निवासी प्लाट नं. सी–53, रामदत्त एन्क्लेव उत्तम नगर, नई दिल्ली (मेहता निवास) की बड़ी सुपुत्री हूँ, मुझे हमेशा अपने स्वर्गीय पिता श्री गोविन्द राम जी मोहन पर गर्व रहा है और आज भी मैं अपने विचार अपने स्वर्गीय पिताजी की याद में बड़े गर्व के साथ व्यक्त कर रही हूँ।

1. मेरे स्वर्गीय पिताश्री रेलवे विभाग में एक मामूली कर्मचारी (पम्प ड्राईवर) थे, मामूली तनख्वाह मामूली साधन और फिर भी जिंदा दिली कमाल की थी।
2. पाँच बेटों दो बेटियों की परवरिश से लेकर पढ़ाई लिखाई शादियों सहित, जैसा भी बन पड़ा, जितना भी हो सका बखूबी निभाया, कभी भी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों की अनदेखी नहीं की।
3. इससे बड़े गर्व की और क्या बात हो सकती है, कि अपने जीते जी कभी अपने बच्चों को खाने–पीने से लेकर पढ़ाई वगैरह तक यहाँ तक की सभी बच्चों की शादियां होने तक कभी लाचारी या असमर्थता नहीं जताई।
4. अपने सभी रिश्ते–नाते दारो के साथ भी अपनी समर्थता अनुसार निभाया और दिल से निभाया।
5. यहाँ तक की पिताश्री आखरी साँस लेने से पहले अपनी जीवन संगिनी यानि अपनी धर्मपत्नी यानि मेरी माँ श्रीमती राजरानी मोहन को जाते जाते भी कहा। 'राज, ऐ पेंशन दी किताब संभाल के रखी। तैनू बडी कम आएगी' शायद जाते जाते भी उस पति को अपने जीवन साथी के साथ बिताए हुए वो प्यार के क्षण, बीती हुई यादें, दुःख दुख के लम्हे, और न जाने क्या–क्या याद आया होगा। जो उन्होंने उस समय अपने फर्ज को आखिरी विराम देते हुए मेरी माँ को जाते हुए भी पेंशन के रूप में कभी पैसे की कमी नहीं होने दी। जो आज भी मेरे पिताश्री के स्वर्गवास होने के बाद भी लगातार 19 वर्षों से पेंशन ले रही हैं। मेरे स्वर्गीय पिता की पेन्शन तो मात्र कुछ सैंकड़े थी, वेतन भी सैंकड़ों में था और मेरी माँ पेन्शन के रूप में आज हज़ारों रुपए ले रही हैं।
6. इससे बड़ी खुशी और गर्व की बात एक बेटी के लिए क्या हो सकती है। मैं उस परमपिता परमात्मा से सदैव प्रार्थना करती हूँ कि मेरे स्वर्गीय पिताजी की आत्मा को शांति प्रदान करे और हमें उनका आशीर्वाद सदैव मिलता रहे।

कौन कहता है, बेटियाँ माँ बाप पर बोझ होती है,
मेरा मानना है, कि बेटियाँ ही माँ–बाप की सही सोच होती हैं।
बेटियाँ ही दो परिवारों को जोड़ती हैं
सबके दुःख सुख में भी खुशी खोजती है।
सच ही कहा जाता है। माँ बाप पहले बाद में भगवान है।

किसी विद्वान के कथन अनुसार कि लड़का माँ बाप का तब तक ही होता है, जब तक उसकी शादी नहीं हो जाती, लेकिन लड़की माँ बाप की तब तक लड़की ही रहती है। जब तक माता–पिता की सांस रहती है, और माता पिता के मोक्ष धाम पधारने के उपरान्त भी उनकी यादों में तालीन रहती है, मेरे पिता ऐसे थे मेरी माता ऐसी थी। मैं श्रीमती स्वर्ण बाली (भोली) अपने स्व. पिताश्री गोविन्दराम जी मोहन की 19वीं पुण्य–तिथि पर मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड हेतु अपनी माता श्रीमती राजरानी मोहन की ओर से 11000 रुपए जी.एम.एस में दे रही हूँ। **लंगर तिथिः 10 जुलाई**

स्वर्ण बाली (भोली) *पत्नी श्री नरेन्द्र बाली, आजीवन सदस्य जी.एम.एस., 78, कृष्णानगर, आफ़िसर्स एन्क्लेव कालवाड रोड, जयपुर (मो.) 9166422820*

मोहयाल आश्रम वृंदावन

मोहयाल आश्रम वृंदावन पधारें, हम आपके स्वागत के लिए तैयार हैं। श्रीकृष्ण और राधा जी की लीलास्थली में बना आश्रम समस्त सुविधाओं से सुसज्जति हैं।
सपरिवार तीर्थ यात्रा का कार्यक्रम बनाएँ।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता छिब्बर की तीसरी पुण्य-तिथि

15.07.2015 को स्वर्गीय प्रेमलता छिब्बर की तीसरी पुण्य–तिथि 500, मॉडल कालोनी, यमुनानगर में मनाई गई, जहाँ पूरे परिवार और रिश्तेदारों ने हवन किया और स्वर्गीय प्रेमलता छिब्बर की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दैहिक रूप से उनका वैकुण्ठवास हो गया परन्तु आत्मिक रूप से वे एक प्रकाश स्तम्भ की तरह हमारे बीच में हमेशा ही चमकती रहेंगी। वे निडर, स्पष्टवादी, धार्मिक प्रवृत्ति, दृढ़ निश्चय, संतुष्ट, दूरदर्शी थी।

स्वर्गीय प्रेमलता छिब्बर भाई मायादास छिब्बर जी व स्वर्गीय मैनावंती छिब्बर जी (करियाला जिला चकवाल पाकिस्तान और जोगेन्द्रनगर (हिमाचल प्रदेश) की पुत्रवधू थीं। स्वर्गीय चमनलाल दत्ता जी व स्व. कैलाश देवी दत्ता (पेशावर पाकिस्तान) और अब फरीदाबाद की पुत्री और श्री विनोद दत्ता जी, श्री अशोक दत्ता जी की बहिन थीं।

उनके परिवार में उनके पति सुरेन्द्रनाथ छिब्बर पुत्र कर्नल तरुण छिब्बर, अरुण छिब्बर, और पुत्रवधुऐं सपना छिब्बर, मंजु छिब्बर व पोतियां श्रुति छिब्बर, गीतांजलि छिब्बर और अनुराधा छिब्बर हैं। परिवार ने 500 रु. जीएमएस विधवा फंड, 1000 रु. मोहयाल सभा यमुनानगर बिल्डिंग फंड, 500 रु. एमएस जगाधरी वर्कशाप में भेंट किए हैं।

सुरेन्द्रनाथ छिब्बर, *मो. 9728300992*

मृत्यु की सुनिश्चितता

प्रभु प्रेमियों के लिए यह वार्ता महत्वपूर्ण है। मात्र शास्त्रों के रट लेने से कोई तत्व ज्ञानी नहीं हो जाता। व्यर्थ प्रपंच में न पड़ कर ही स्वाध्याय (शास्त्र अध्ययन) करना चाहिए। जीवन को ही हम न जान सके तो मृत्यु को जानने की तो संभावना ही नहीं रह जाती, जीवन ही अपरिचित और अज्ञात हो तो मृत्यु परिचित और ज्ञात नहीं हो सकती! सच तो यह है कि हमें जीवन का पता नहीं, इसलिए ही मृत्यु घटित प्रतीत होती है। मृत्यु का ज्ञान मृत्यु को विलीन कर देता है। मृत्यु एक शांत और लंबी निद्रा है, जिसके बाद मनुष्य जागता नहीं। हम एक अज्ञान भरी नींद में हैं। बोलना, खाना बातें करना, प्रेम करना, घृणा करना सब एक अज्ञान भरी नींद की बेहोशी में हो रहा है। यह सोया हुआ मनुष्य है, जागा हुआ नहीं। जन्म से मौत तक दुःख और चिंता है। तमाम उम्र यूँ ही बीत जाती है। हम बेहोश हैं। यीशू को सूली मिली, मीरा को ज़हर। जागे हुए को कोई पंसद नहीं करता, इसीलिए सुकरात को ज़हर दिया, क्योंकि वह जागा हुआ था। वह हमारी नींद में विघ्न डाल रहा था। वह हमें जगा रहा था, जो हमें बिल्कुल पंसद नहीं था। एक दार्शनिक सोरेन की, के गार्ड–डेनमार्क ने एक अनुभव की चर्चा में लिखा है, "जिस दिन से मुझे होश आया है मैं कांप रहा हूँ, तब से मेरा कंपना रुक नहीं रहा, रात सो नहीं सकता, क्योंकि मुझे पता है कि मृत्यु सुनिश्चित है, मुझे यह देखकर बड़ी हैरानी होती है, यह देखकर कि सारी दुनिया क्यों मजे से चली जा रही है। शायद उन्हें पता नहीं है कि इनकी भी मृत्यु सुनिश्चित है" मृत्यु सुनिश्चित है यह बात सभी कहते सुनते हैं, लेकिन उनकी यह बात केवल कहने सुनने तक सीमित है। इनमें से किसी को अनुभव नहीं है, मृत्यु की सुनिश्चितता का!

संकलकः ***मदनलाल दत्ता,*** *सिरसा (हरियाणा) मो. 8570994004*

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखें। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

अगस्त महिने में जी.एम.एस मैनेजिंग कमेटी की मीटिंग चुनाव की वजह से नहीं होगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

12th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2015

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)
(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 80% (percent) and above **Last Date: 31st August 2015**

1. Name: ..... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: .....
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: ..... (Class passed .....)
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....

   E-mail: .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	**Percentage .....**

....
Signature of Student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2015 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor